भारत सरकार

पंचायती राज मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न संख्या 1566

दिनांक 28/07/2026 को उत्तरार्थ

आदर्श महिला-हितैषी ग्राम पंचायत पहल

1566. श्री संजय उत्तमराव देशमुखः

श्री संजय हरिभाऊ जाधवः

श्री ओमप्रकाश भूपालसिंह उर्फ पवन राजेनिंबालकरः

क्या **पंचायती राज** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) आदर्श महिला-हितैषी ग्राम पंचायत पहल के प्रमुख उद्देश्य और ब्यौरा क्या है;

(ख) प्रत्येक जिले में इन पंचायतों को किस प्रकार चयनित और विकसित करने का प्रस्ताव है;

(ग) कार्यशालाओं और अनुवर्ती पहलों में महिला प्रतिनिधियों की प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए क्या कदम उठाए जा रहे हैं और विशेषकर महाराष्ट्र का जिला-बार ब्यौरा क्या है;

(घ) उक्त कार्यशालाओं के परिणामों के माध्यम से ज़मीनी स्तर पर दीर्घकालिक नीतिगत बदलाव किस प्रकार सुनिश्चित किए जा रहे हैं और इस संबंध में क्या कदम उठाए गए हैं; और

(ङ) क्या विभिन्न राज्यों में सहयोगात्मक दृष्टिकोण के माध्यम से महिला नेतृत्व वाले प्रशासन को बढ़ावा देने के लिए निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के बीच सर्वोत्तम प्रथाओं और अनुभवों को साझा करने के लिए कोई निर्धारित तंत्र मौजूद है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

पंचायती राज मंत्री
(श्री राजीव रंजन सिंह उर्फ ललन सिंह)

(क) और (ख) संशोधित राष्ट्रीय ग्राम स्वराज अभियान (आरजीएसए) की केंद्र प्रायोजित योजना के तहत, मंत्रालय ने निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों (डब्ल्यूईआर), पदाधिकारियों और अन्य हितधारकों सहित निर्वाचित प्रतिनिधियों (ईआर) के प्रशिक्षण के माध्यम से उनके नेतृत्व और शासन क्षमताओं को बढ़ाने के लिए पंचायती राज संस्थाओं (पीआरआई) की क्षमता निर्माण का कार्य किया है।

इस प्रयास के तहत, ग्रामीण शासन के विभिन्न पहलुओं पर जानकारी और कौशल के साथ महिला पंचायत नेताओं को सशक्त बनाने के लिए दिनांक 4-5 मार्च 2025 को नई दिल्ली में आयोजित राष्ट्रीय कार्यशाला के दौरान मंत्रालय ने सशक्त पंचायत नेत्री अभियान शुरू किया। इस अभियान में महिला नेतृत्व वाले विकास के लिए अन्य पहलों के साथ-साथ आदर्श महिला अनुकूल ग्राम पंचायत (एमडब्ल्यूएफजीपी) पहल की भी शुरुआत की गई। सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण (एलएसडीजी) के सभी नौ विषयों में देश की सभी ग्राम पंचायतों को पूरी तरह से लागू करने के व्यापक उद्देश्य को ध्यान में रखते हुए, आदर्श महिला अनुकूल ग्राम पंचायत (एमडब्ल्यूएफजीपी) पहल का लक्ष्य एक समावेशी और महिला एवं पुरुष को समान स्थान देने की स्थानीय शासन प्रणाली बनाना है जो विषय 9: महिला अनुकूल पंचायत की प्राप्ति के लिए जमीनी स्तर पर महिलाओं की भागीदारी, सुरक्षा, अधिकारों और सशक्तिकरण को सुनिश्चित करे। ये आदर्श महिला अनुकूल ग्राम पंचायतें (एमडब्ल्यूएफजीपी) बाद में अन्य ग्राम पंचायतों के बीच उनके द्वारा किए गए सुधारों की पुनरावृत्ति के लिए शिक्षण केंद्र के रूप में कार्य करेंगी।

राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों को संबंधित विभागों के परामर्श से प्रत्येक जिले में एक ग्राम पंचायत को *मॉडल महिला अनुकूल ग्राम पंचायत (*एमडब्ल्यूएफजीपी*)* के रूप में विकसित करने के लिए चिन्हित करने की सलाह दी गई है। साथ ही, चयन के लिए *पंचायत एडवांसमेंट इंडेक्स (पीएआई) 1.0* के स्कोर को भी एक चयन मानदंड के रूप में विचार करने की सलाह दी गई थी। मंत्रालय के इन निर्देशों के अनुपालन में, 32 राज्यों/केंद्र शासित प्रदेशों ने कुल 744 ग्राम पंचायतों को *मॉडल महिला अनुकूल ग्राम पंचायत (*एमडब्ल्यूएफजीपी*)* के रूप में चिन्हित किया है।

(ग) और (घ) महाराष्ट्र के यशदा (YASHADA) में दिनांक 8-9 जनवरी 2026 को आदर्श महिला-अनुकूल ग्राम पंचायत की बेहतरीन कार्यप्रणालियों पर 2-दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित की गई। इस कार्यशाला में 13 राज्यों/संघ राज्य क्षत्रों से कुल 216 प्रतिभागियों ने भाग लिया। कार्यशाला में प्रभावी भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रतिभागी राज्यों/संघ राज्य क्षत्रों के साथ समीक्षा और अनुवर्ती बैठकें आयोजित की गईं। कुल 216 प्रतिभागियों में से, महाराष्ट्र के 34 जिलों के 87 प्रतिभागियों ने इस कार्यशाला में भाग लिया।

इसके अलावा, मंत्रालय ने राज्यों/संघ राज्य क्षत्रों को महिला पंचायत नेताओं के बेहतरीन कार्यों को दर्शाने के लिए निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों का सम्मेलन आयोजित करने का सुझाव दिया है। साथ ही, आदर्श महिला-अनुकूल ग्राम पंचायतों (एमडब्ल्यूएफजीपी) के कामकाज का मूल्यांकन और निगरानी करने के लिए उनकी प्रगति पर तिमाही समीक्षा बैठकें करने का भी सुझाव दिया गया है। वित्त वर्ष 2025–26 और 2026–27 (10 जुलाई 2026 की स्थिति के अनुसार) के दौरान, देश भर में आयोजित निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के सम्मेलनों में कुल 29,567 निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों ने भाग लिया। इनमें से 3,531 निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों ने उस अवधि के दौरान महाराष्ट्र राज्य में आयोजित सम्मेलनों में भाग लिया।

इसके अलावा, वित्त वर्ष 2025-26 से 2026-27 (10 जुलाई 2026 की स्थिति के अनुसार) के दौरान आदर्श महिला-अनुकूल ग्राम पंचायतों (एमडब्ल्यूएफजीपी) के कुल 7,772 प्रतिनिधियों ने तिमाही समीक्षा बैठकों में भाग लिया है और उक्त अवधि के दौरान महाराष्ट्र से 422 प्रतिनिधियों ने भाग लिया।

महिला-अनुकूल ग्राम पंचायतों (एमडब्ल्यूएफजीपी) पर कार्यशालाओं के परिणामों को महिला निर्वाचित प्रतिनिधियों के क्षमता निर्माण, ग्राम पंचायत विकास योजना में महिला एवं पुरुष को समान स्थान देने की योजना के एकीकरण और जमीनी स्तर पर नीति और संस्थागत परिवर्तनों को सुनिश्चित करने के लिए सर्वश्रेष्ठ कार्यों को बढ़ावा देने हेतु अनुकरणीय मामलों के व्यापक पैमाने पर विकास के माध्यम से संस्थागत बनाया जा रहा है।

(ङ) जी हाँ। आदर्श महिला-अनुकूल ग्राम पंचायतों के सर्वश्रेष्ठ कार्यों और महिला जनप्रतिनिधियों के नेतृत्व में चलाए जा रहे महिला-संचालित शासन के विभिन्न प्रयासों को कार्यशाला, प्रशिक्षण कार्यक्रम और सम्मेलनों के ज़रिए राष्ट्रीय और राज्य स्तर पर विस्तारित किया गया है।

इसके अलावा, दिनांक 11 मार्च 2026 को अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर निर्वाचित महिला प्रतिनिधियों के लिए एक राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में देश भर की आदर्श महिला-अनुकूल ग्राम पंचायतों (एमडब्ल्यूएफजीपी) के सर्वश्रेष्ठ कार्यों को दर्शाया गया और आदर्श महिला-अनुकूल ग्राम पंचायतों (एमडब्ल्यूएफजीपी) से जुड़ी सर्वश्रेष्ठ कार्यों के संकलन का लोकार्पण किया गया।

****